दिनांक : 23.10.2013

श्रीमति शीला दीक्षित जी,
मुख्यमंत्री,
दिल्ली सरकार,
नई दिल्ली

आदरणीय श्रीमति शीला दीक्षित जी,

मैंने कई बार आपको जनचर्चा के लिए आमंत्रित किया। मुझे लगा कि चुनावों में भाग लेने वाली पार्टियों के नेताओं की जनता के बीच सार्वजनिक रूप से चर्चा हो जिसमें जनता सीधे प्रश्न पूछ सके, ऐसा करने से जनतंत्र और सुदृढ़ होगा। लेकिन आपने मेरा आमंत्रण अस्वीकार कर दिया।

इस विषय में मीडिया के कुछ संपादकों की शायद आपसे कुछ दिन पहले बातचीत हुई है। मुझे कहा गया है कि यदि मैं औपचारिक रूप से आपको निमंत्रण भेजूं तो शायद आप ऐसी जनचर्चा के लिए तैयार हो जाएंगी। ऐसा मुझे उन संपादकों ने आपसे बातचीत करने के बाद बताया।

इस पत्र के जरिए मैं आपको जनचर्चा के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित करता हूं। अगर आप ठीक समझें तो इस जनचर्चा में हमें भाजपा की ओर से डा. हर्षवर्धन को भी आमंत्रित करना चाहिए।

इस चर्चा का प्रारूप क्या होगा? इस चर्चा का सूत्रधार कौन होगा? यदि आप सैद्धांतिक रूप से चर्चा के लिए तैयार हैं तो इन मुद्दों पर आपस में बैठकर सहमति की जा सकती है। मेरा सिर्फ इतना सुझाव है कि ऐसी चर्चा टी.वी. स्टूडियो में न होकर रामलीला मैदान अथवा अन्य किसी सार्वजनिक स्थान पर होनी चाहिए, जहां पर दिल्ली की जनता को आमंत्रित किया जाए और जनता सीधे सवाल कर सके।

मुझे आपके जवाब का इंतजार रहेगा।

अरविंद केजरीवाल